

डॉ. रॉबर्ट ए. पीटरसन, चर्च और अंतिम बातें, सत्र 14, मसीह का दूसरा आगमन, इसका समय, निकटता, अंतराल और अज्ञानता

© 2024 रॉबर्ट पीटरसन और टेड हिल्डेब्रांट

यह डॉ. रॉबर्ट ए. पीटरसन और चर्च के सिद्धांतों और अंतिम बातों पर उनकी शिक्षा है। यह सत्र 14 है, मसीह का दूसरा आगमन, इसका समय, आसन्नता, अंतराल और अज्ञानता।

हम अंतिम बातों में अपना अध्ययन जारी रखते हैं, विशेष रूप से मसीह के दूसरे आगमन के साथ।

हमने इसके तरीके को व्यक्तिगत, दृश्यमान और गौरवशाली बताया है। अब, हम इसके समय पर आते हैं। यह एक ऐसा मामला है जिसने न केवल विवाद को जन्म दिया है, बल्कि निराशा, यहाँ तक कि चर्च के इतिहास में अविश्वास भी पैदा किया है, क्योंकि लोगों ने बार-बार, मूर्खतापूर्ण तरीके से मसीह के दूसरे आगमन की तिथियाँ निर्धारित की हैं, जबकि हमें स्पष्ट रूप से बताया गया है कि कोई नहीं जानता।

मुझे लगता है कि मुख्य बात यह है कि हम धर्मशास्त्री, पादरी और ईसाई बनें जो इस पर नियंत्रण पाना चाहते हैं; हमें बाजीगर बनना होगा। शिक्षण के तीन अलग-अलग प्रकार हैं; मैं उन्हें गेंदों में बदल दूंगा; हमें एक ही समय में तीन गेंदों को क्षेत्र में रखना होगा। प्रत्येक गेंद की शुरुआत। अक्षर से होती है, आसन्न मार्ग, अंतराल मार्ग और सबसे महत्वपूर्ण बात, अज्ञान मार्ग।

आसन्नता, अंतराल, आसन्नता। यानी, हमें मसीह के दूसरे आगमन और किसी भी ऐसे युगांतशास्त्र के प्रकाश में जीने के लिए कहा जाता है जो उस आशा को दफना देता है; दुर्भाग्य से, यह ऐतिहासिक रूप से उत्तर-सहस्राब्दिवाद की आलोचना है। ऐतिहासिक रूप से, इसने मसीह के दूसरे आगमन की आशा को धूमिल कर दिया है।

यह एक गलती है। हमें उनके दूसरे आगमन के प्रकाश में जीना है। दूसरी ओर, अंतराल मार्ग भी हैं।

बेशक, मैं इस बारे में विस्तार से बताने जा रहा हूँ। कुछ अंतराल पर हमें बताया गया है कि यीशु के दोबारा आने से पहले कुछ चीजें होनी चाहिए। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि बार-बार और स्पष्ट रूप से हमें बताया गया है कि हम यीशु के वापस आने का समय नहीं जानते हैं।

आसन्न मार्ग। ये कठिन मार्ग हैं। आप जानते हैं, बुद्धिमानी अविश्वास या यहाँ तक कि धर्मत्याग के विरुद्ध सुरक्षा नहीं है।

अल्बर्ट श्वित्ज़र, जो अब तक के सबसे बुद्धिमान मनुष्यों में से एक थे, संगीत, धर्मशास्त्र और विज्ञान में डिग्री के साथ, क्या वह थे? उन्होंने प्रकृति की पूजा करना शुरू कर दिया। इन अंशों में,

उन्होंने अद्भुत काम किया। उन्होंने लिखा और मसीह के पुराने उदारवादी दृष्टिकोण को तोड़ दिया।

पुराने उदारवादी लोग कुएँ में झाँकते हुए यीशु के जीवन के बारे में लिखते थे, और पानी में अपना प्रतिबिंब देखते थे। नहीं, उन्होंने कहा, यीशु एक युगांत-संबंधी भविष्यवक्ता थे। वे सिर्फ नैतिक शिक्षक नहीं थे।

वह अंतिम दिनों और अपने आगमन आदि के बारे में बात करते हुए आया, साथ ही समय और भविष्य की घटनाओं के संकेतों के बारे में भी। दुर्भाग्य से, अल्बर्ट श्वित्ज़र ने निष्कर्ष निकाला कि यीशु गलत थे। इन अंशों के आधार पर।

खैर, मैं यह निष्कर्ष नहीं निकालता कि यीशु गलत हैं, लेकिन वे कठोर हैं। मत्ती 9:1, मैं तुमसे सच कहता हूँ, यीशु बोल रहे हैं, यहाँ कुछ ऐसे खड़े हैं जो तब तक मृत्यु का स्वाद नहीं चखेंगे जब तक कि वे परमेश्वर के राज्य को सामर्थ्य के साथ आते हुए न देख लें। इसके तुरंत बाद रूपांतरण का वृत्तांत है।

मुझे टोनी होकेमा, एंथनी होकेमा को श्रेय देना चाहिए था। वास्तव में, उनकी तीन बड़ी पुस्तकों ने मेरे लेखन, मेरे शिक्षण और लेखन को बहुत प्रभावित किया, हालाँकि मैंने हमेशा उन क्षेत्रों में नहीं लिखा जिनमें उन्होंने पढ़ाया था। लेकिन मानवता और पाप पर उनकी पुस्तक ईश्वर की छवि में बनाई गई थी।

यह एक अद्भुत किताब है। उनका लेखन स्पष्ट और रूढ़िवादी है। वह दूसरों के साथ निष्पक्ष व्यवहार करते हैं।

वह बाइबल के साथ अच्छा काम करता है। ग्रीक व्याकरण और वाक्यविन्यास का उसका उपयोग और उसका महत्व कुछ हद तक पुराना है। उदाहरण के लिए, वह सटीक त्रुटियों के बारे में बात करता है, लेकिन कुल मिलाकर, यह अच्छा है।

यह ठोस है। यह वास्तव में है। और मेरा अपना पूर्वाग्रह सामने आता है।

वह सुधार परंपरा के बारे में लिखते हैं। उद्धार के अनुप्रयोग पर उनकी पुस्तक, जो पुनर्जन्म, बुलावा, औचित्य, पवित्रीकरण, इत्यादि जैसी चीजों से संबंधित है, अनुग्रह द्वारा बचाई गई है। और यह सबसे अच्छी पुस्तक है।

उस क्षेत्र में पुस्तकों की कमी है। यह उस क्षेत्र की अब तक की सबसे अच्छी पुस्तक है। लेकिन उनकी सबसे बड़ी कृति बाइबल और भविष्य थी।

यह पुस्तक एक ज़रूरी पुस्तक थी क्योंकि जिन पुस्तकों ने दिन को आगे बढ़ाया और इंजीलवादियों को प्रभावित किया वे केवल व्यवस्थागत पुस्तकें थीं। मैं अपने व्यवस्थागत भाइयों और बहनों का सम्मान करता हूँ, और मैं उन्हें इस बात का श्रेय देता हूँ कि उन्होंने ऐसे स्तर पर

लिखा है जिसे लोग समझ सकते हैं। लेकिन ड्वाइट पेंटेकोस्ट, चार्ल्स रायरी और जॉन वाल्वोर्ड की पुस्तकें बहुत प्रभावशाली थीं।

न्यू स्कोफील्ड रेफरेंस बाइबल, इसलिए शायद अधिकांश अमेरिकी न केवल मसीह के दूसरे आगमन में विश्वास करते थे, जो कि अच्छा है, बल्कि वे एक डिस्पेंसेशनल स्ट्रेप के प्रीमिलेनियलिस्ट भी थे। होकेमा ने डिस्पेंसेशनलिज्म की सम्मानपूर्वक आलोचना करते हुए एक अध्याय लिखा है। यह उनकी शैली है।

वह बहुत सम्मानीय हैं। लेकिन उनकी किताब एक सहस्राब्दी दृष्टिकोण प्रस्तुत करती है। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि यह पूरी तरह से बाइबिल से संबंधित है, और इससे सहमत होने के लिए बहुत कुछ है, चाहे आपका दृष्टिकोण इसके साथ कुछ भी हो, जिसकी मैं वास्तव में सराहना करता हूँ।

वैसे भी, मैं इन तीन अंशों के बारे में उनका दृष्टिकोण बताने जा रहा हूँ और फिर मैथ्यू पर डीए कार्सन की टिप्पणी से मुझे जो बेहतर दृष्टिकोण मिला है, उसे बताने जा रहा हूँ। होकेमा कहते हैं कि यह भविष्यवाणी के संक्षिप्तीकरण का एक उदाहरण है, जो पुनरुत्थान और दूसरे आगमन को एक साथ जोड़ता है। उनका मानना है कि यीशु यहाँ हैं, और वे परमेश्वर के राज्य को देखेंगे।

यहाँ खड़े कुछ लोग तब तक मृत्यु का स्वाद नहीं चखेंगे जब तक वे परमेश्वर के राज्य को उसके सामर्थ्य के साथ आने के बाद नहीं देखेंगे, यह यीशु की मृत्यु और विशेष रूप से उनके पुनरुत्थान का संदर्भ है, जो मसीह के दूसरे आगमन का पूर्वाभास है। अपने भविष्यसूचक पूर्वाभास की तुलना वे पश्चिम की ओर यात्रा करने से करते हैं, और जब आप पहली बार रॉकीज़ को देखते हैं, तो वे क्षितिज पर छोटे बिंदुओं की तरह दिखते हैं। वे एक दूसरे के बहुत करीब दिखते हैं। जैसे-जैसे आप उनके करीब पहुँचते हैं, अलग-अलग पहाड़ों के बीच मीलों-मील की दूरी होती है, और यही भविष्यसूचक पूर्वाभास है।

यह पक्षी की नज़र से बड़ी तस्वीर को देखना है, और इस मामले में, उस बड़ी तस्वीर से, यीशु, होकेमा के अनुमान में, पुनरुत्थान और दूसरे आगमन को एक साथ रखता है क्योंकि उन दोनों में महिमा का एक ही विषय है, लेकिन वास्तव में, उनके बीच 2,000 साल का अंतराल हो गया है, और उसका दूसरा आगमन अभी भी नहीं हुआ है। यह मददगार है, और फिर भी, मुझे नहीं लगता कि यह पुनरुत्थान के बारे में बात कर रहा है। विचार मूल रूप से सही है।

मुझे लगता है कि वह मसीह के रूपांतरण के बारे में बात कर रहे हैं जो महिमा का प्रकटीकरण और एक चित्र है, दूसरे आगमन का पूर्वाभास है। रूपांतरण क्षणिक है; यह स्थायी नहीं था, राज्य की शक्ति और महिमा का एक छोटा सा प्रकटीकरण। पारूसिया, मसीह का दूसरा आगमन, उसका प्रकट होना इसका पूर्ण प्रकटीकरण होगा।

मार्क 9:1 से ठीक पहले की आयत की तुलना करें, जो कोई इस व्यभिचारी और पापी पीढ़ी में मुझसे और मेरे शब्दों से लज्जित होगा, 838 मार्क का, मनुष्य का पुत्र भी जब अपने पवित्र स्वर्गदूतों के साथ अपने पिता की महिमा में आएगा, तब उससे लज्जित होगा। फिर वह कहता है,

सच में, मैं तुमसे कहता हूँ, यहाँ कुछ ऐसे खड़े हैं जो तब तक मृत्यु का स्वाद नहीं चखेंगे जब तक कि वे परमेश्वर के राज्य को उसके बाद आते हुए न देख लें, परमेश्वर के राज्य को सामर्थ्य के साथ आते हुए न देख लें। इसलिए दूसरे आगमन के बारे में बोलने के बाद, वह कहता है, वे इसका स्वाद देखेंगे, और फिर छह दिनों के तुरंत बाद, यीशु ने अपने साथ पतरस, याकूब और यूहन्ना को लिया, उन्हें एक ऊँचे पहाड़ पर ले गया, और उनके सामने उसका रूपान्तरण हुआ।

तो ये तीनों आयते एक साथ हैं: 8:31, 9:1, और 2. क्या यह एक समस्या वाला अंश है? ज़रूर है। और अगर यह दूसरे आगमन की एक सख्त भविष्यवाणी थी, तो हम समझते हैं कि श्वित्ज़र ने कहा कि यह एक युगांतशास्त्रीय भविष्यवाणी है; यीशु गलत थे। खैर, श्वित्ज़र गलत थे कि उन्होंने मार्क के सुसमाचार के संदर्भ पर बेहतर ध्यान नहीं दिया।

कार्सन, डी.ए. कार्सन, व्याख्याता, टिप्पणीकार और मैथ्यू, यह एक सामान्य संदर्भ है, केवल पुनरुत्थान, या पेंटेकोस्ट, या इसी तरह के लिए नहीं, बल्कि मसीह के राजसी शासन की अभिव्यक्ति के लिए, पुनरुत्थान के बाद कई तरीकों से प्रदर्शित किया गया, जिसमें शिष्यों की तेजी से वृद्धि और उसके बाद आने वाले मिशन शामिल हैं। अधिक विशेष रूप से, यह रूपांतरण की बात कर रहा है, जो वास्तव में यीशु की महिमा का प्रकटीकरण है, जिसके बारे में 831 में बात की गई थी, और उस शक्ति की प्रत्याशा में जो वह वापस आने पर दिखाएगा। तीनों प्रचारक यीशु की महिमा की चमक को संप्रेषित करने के तरीके खोजने के लिए प्रयास करते हैं, जो बहुत ही सफेद है, क्योंकि पृथ्वी पर कोई भी उन्हें सफेद नहीं कर सकता।

अन्य सुसमाचार कहते हैं, सूर्य के समान उज्ज्वल, या धधकती हुई रोशनी, धधकती चमक, इस तरह की चीजें। एक और श्रेष्ठ मार्ग, मैथ्यू 10:23। इसलिए, मैं स्वीकार करता हूँ कि ये समस्याग्रस्त मार्ग हैं।

मैं उन्हें संभावित स्पष्टीकरण दे रहा हूँ। क्या मैं इस तरह श्रेष्ठता को खत्म करने की कोशिश कर रहा हूँ? ओह, नहीं। नहीं, नहीं, नहीं, नहीं।

मुझे पूरा यकीन है कि यीशु चाहते हैं कि हम उनके दूसरे आगमन के प्रकाश में जियें। और जब मैं इनसे निपट लूँगा तो मैं इस आशय के कुछ अंश दूँगा। मैं कठिन अंशों से बचना नहीं चाहता।

मत्ती 10, 23. उत्पीड़न की भविष्यवाणी में, वह 22 में कहता है, "मेरे नाम के कारण सब लोग तुम से घृणा करेंगे, परन्तु जो अन्त तक धीरज धरेगा, वही उद्धार पाएगा। जब वे तुम्हें एक नगर में सताएँ, तो दूसरे नगर में भाग जाओ।"

क्योंकि मैं तुमसे सच कहता हूँ, तुम इस्राएल के सभी नगरों से होकर नहीं जाओगे, जब तक कि मनुष्य का पुत्र न आ जाए। होकेमा, फिर से, इस भविष्यसूचक पूर्वाभास की अपील करता है, पहाड़ों को दूर से और फिर करीब से देखना। इस्राएल पारूसिया तक अस्तित्व में रहेगा।

बल्कि, मुझे लगता है कि यह दृष्टिकोण सही है कि हम गलती करते हैं यदि हम स्वचालित रूप से शब्दों को देखते हैं, मनुष्य का पुत्र हमेशा और केवल अपने दूसरे आगमन की बात करता है।

कार्सन, यीशु का आगमन यहूदियों के खिलाफ न्याय के रूप में आना है, जो यरूशलेम की लूट और मंदिर के विनाश में परिणत होता है। मैं मानता हूँ कि यह एक समस्या है।

मैं मानता हूँ कि यह एक समस्या है। लेकिन इस संदर्भ में, यह एक संभावित समाधान है। मुझे यह होकेमा के भविष्यसूचक विचार से बेहतर लगता है।

आखिरी उत्तर है मत्ती 24:34. मैं यह दावा नहीं करता कि मेरे पास सभी उत्तर हैं. मैं समस्याओं को स्वीकार करता हूँ.

मैं प्रत्येक के लिए दो संभावित समाधान दे रहा हूँ। और फिर मैं स्पष्ट अंशों से पुष्टि करने जा रहा हूँ कि हमें प्रभु के आने की प्रतीक्षा करते हुए जीना है। और यह हमारे धर्मशास्त्र और हमारे जीवन का हिस्सा होना चाहिए।

मत्ती 24 :34,32. अंजीर के पेड़ से सीखो। जब उसकी डाली कोमल हो जाती और पत्ते निकलने लगते हैं, तो तुम जान लेते हो, कि ग्रीष्म काल निकट है।

इसी प्रकार जब तुम ये सब बातें देखो, तो जान लो कि वह द्वार ही पर निकट है। मैं तुम से सच कहता हूँ, कि जब तक ये सब बातें पूरी न हो लें, तब तक यह पीढ़ी जाती न रहेगी। आकाश और पृथ्वी मिट जाएंगे, परन्तु मेरी बातें कभी न मिटेंगी।

होकेमा काम करता है। और मुझे टोनी होकेमा बहुत पसंद है। मैं उसे चुन रहा हूँ।

मैं उनके प्रस्ताव से असहमत हूँ, और मैं उनके प्रस्तावित समाधान देता हूँ। वे भयानक नहीं हैं, लेकिन मुझे लगता है कि मैंने उनसे बेहतर समाधान खोज लिए हैं। मैं उनके प्रति सम्मान के कारण उन्हें दे रहा हूँ, लेकिन मेरा मतलब यह नहीं है कि मैं यह आभास दूँ कि मैं उनकी सराहना नहीं करता।

मैं उनकी किताब की सबसे ज़्यादा सराहना करता हूँ। यह मेरी पसंदीदा किताब है। मैंने कुछ और अच्छी किताबें भी खोजी हैं, लेकिन यह आखिरी चीज़ों पर मेरी पसंदीदा किताब है।

वह कहते हैं, जीनिया, पीढ़ी, इस पीढ़ी का मतलब विद्रोही यहूदी लोग हैं। वे उस समय तक जारी रहेंगे जब यीशु फिर से आएंगे। यह सच है, शब्दकोश के अनुसार जीनिया का मतलब वंश, जाति, प्रकार, पीढ़ी, समकालीन या उम्र, पीढ़ी का समय हो सकता है।

तो होकेमा, इसका कुछ भाषाई आधार है, लेकिन फिर से, मुझे लगता है कि कार्सन बेहतर है। जीनिया का मतलब है पीढ़ी। इसका मतलब है कि छंद चार से 28 का संकट, जिसमें यरूशलेम का पतन शामिल है, उस समय जीवित पीढ़ी के जीवनकाल के भीतर होता है।

इसलिए, श्लोक 34 एक टर्मिनस ए को निर्धारित करता है। हम एक आरंभिक टर्मिनस, एक टर्मिनस जिसमें से एक को एक अंतिम टर्मिनस से, और एक टर्मिनस एड क्रम को अलग करते हैं

। इसलिए, यह एक टर्मिनस ए क्रो, एक आरंभिक टर्मिनस, और पारुसिया के लिए निर्धारित करता है ।

यह तब तक नहीं हो सकता जब तक कि श्लोक चार से 28 में वर्णित घटनाएँ, सभी ईस्वी सन् 30 की पीढ़ी के भीतर न घटित हो जाएँ। लेकिन कोई टर्मिनस एड क्रम नहीं है, पारुसिया के अलावा संकट का कोई अंतिम अंत नहीं है । बेशक, मैथ्यू, मार्क और ल्यूक पर एक्सपोजिटर की टिप्पणी में, पृष्ठ 507, टाइटस 2:13 एक बेहतर आसन्न मार्ग है।

मैंने मुश्किलों से निपटा है। मुझे उम्मीद है कि आपकी संतुष्टि के लिए कम नहीं बल्कि ज़्यादा समाधान होंगे। मुझे व्यक्तिगत रूप से नए समाधानों पर पूरा भरोसा नहीं है।

और फिर, मैं समस्याओं को स्वीकार करता हूँ। अगर आपको लगता है कि आपके पास कोई समस्या नहीं है, तो आपने पर्याप्त गहराई से अध्ययन नहीं किया है। मानो या न मानो, बाइबल, सबसे पहले, एक व्यवस्थित धर्मशास्त्र पुस्तक नहीं है।

यह एक कहानी की किताब है जो परमेश्वर की सच्ची कहानी बताती है। सभी शास्त्र प्रेरित हैं और सिखाने के लिए लाभदायक हैं। 2 तीमुथियुस 3:16, 17, लेकिन हम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करते हैं।

लेकिन मुझे मुश्किल समस्याओं के आसान समाधान पसंद नहीं हैं। इस मामले में, मुझे लगता है कि मेरे पास उचित समाधान हैं, शायद बहुत बढ़िया नहीं, लेकिन मुश्किल समस्याओं के लिए उचित समाधान हैं। लेकिन इसे नोट कर लें।

बाइबल आसन्नता की शिक्षा देती है। दूसरा, मेरा मतलब है, तीतुस, दूसरा तीतुस नहीं। तीतुस 2:13, 2:11, क्योंकि परमेश्वर का अनुग्रह प्रकट हुआ है, जो सभी लोगों को उद्धार प्रदान करता है।

अनुग्रह हमें प्रशिक्षित करता है, न केवल बचाता है, बल्कि अनुग्रह सिखाता भी है; यह शिक्षाप्रद है। हमें अभक्ति और सांसारिक अभिलाषाओं को त्यागने और वर्तमान युग में संयमी, धर्मी और ईश्वरीय जीवन जीने के लिए प्रशिक्षित करता है। हमारी धन्य आशा और हमारे महान परमेश्वर और उद्धारकर्ता यीशु मसीह की महिमा के प्रकट होने की प्रतीक्षा करते हुए, जिसने हमें सभी अधर्म से छुड़ाने और अपने लिए एक ऐसी निज प्रजा बनाने के लिए अपने आप को हमारे लिए दे दिया, जो भले कामों के लिए सरगर्म हो।

या फिर 1 यूहन्ना 3 के बारे में क्या ख्याल है? मैं दिखा रहा हूँ कि ऐसे कुछ अंश हैं जो सिखाते हैं कि परमेश्वर चाहता है कि कलीसिया जीवित रहे, और यीशु के वापस आने की उम्मीद करे। देखिए 1 यूहन्ना 3:1 में पिता ने हमें किस तरह का प्रेम दिया है, कि हम परमेश्वर की संतान कहलाएँ, और हम हैं भी। दुनिया हमें इसलिए नहीं जानती क्योंकि वह उसे नहीं जानती।

प्रिय, हम अभी परमेश्वर की संतान हैं, और हम क्या होंगे यह अभी तक प्रकट नहीं हुआ है, लेकिन हम जानते हैं कि जब वह प्रकट होगा, तो हम उसके जैसे होंगे, क्योंकि हम उसे वैसा ही देखेंगे

जैसा वह है। और जो कोई भी इस प्रकार उस पर आशा रखता है, वह अपने आप को वैसा ही शुद्ध करता है जैसा वह शुद्ध है। हमें आसन्न अंशों को लेना है, उन पर विश्वास करना है और मसीह की वापसी की प्रतीक्षा में जीना है।

साथ ही, मैं एक गेंद को उछाल सकता हूँ, कोई दिक्कत नहीं है। मुझे यह मिल गया। यह आसान है, मैं इसे पकड़ लेता हूँ।

दो गेंदें, कठिन, लेकिन फिर भी संभव। यह संभव है। अभिन्न मार्ग।

धर्मग्रंथ सिखाते हैं कि यीशु के दोबारा आने से पहले कुछ चीजें होनी चाहिए। हम उन्हें आसन्न अंशों के साथ कैसे समन्वयित करते हैं? यह व्यवस्थित धर्मशास्त्र का एक कार्य है। मुझे हवा में तीन गेंदें उठानी हैं, और फिर हम उस व्यवसाय के बारे में बात करेंगे।

हम इसे पूरी तरह से नहीं करने जा रहे हैं, लेकिन मुद्दा यह है कि भगवान चाहते हैं कि तीनों तरह के मार्ग, तीन गेंदें, हम पर कुछ खास तरीके से प्रभाव डालें, और वह किसी तरह के संतुलन की तलाश में हैं। इसलिए, हम यीशु के फिर से आने की प्रतीक्षा करते हैं। क्या इसका मतलब यह है कि हम योजना नहीं बनाते हैं? मैं ईमानदारी से एक आदमी को जानता था।

क्या आप आकर हमारे लिए बोलेंगे? मैंने कहा, ज़रूर। क्या आप इस तारीख को आ सकते हैं? नहीं, मैं नहीं आ सकता। मैं इस दूसरे महीने आ सकता हूँ।

मुझे खेद है, मुझे खेद है। मेरा मानना है कि यीशु वापस आ रहे हैं, इसलिए मैं योजना नहीं बना सकता। मुझे याद नहीं कि तीन महीने पहले क्या हुआ था।

वह मुझसे उम्र में बड़ा था। मैं उसके प्रति सम्मान दिखाना चाहता था, और मैंने सोचा, यार, यह तो बेवकूफी है। उसकी दीर्घकालिक योजना दो महीने की है क्योंकि उसका मानना है कि यीशु वापस आ रहे हैं।

मेरा मानना है कि यीशु भी वापस आ रहे हैं, और हमें उनके आने का इंतज़ार करना चाहिए, लेकिन यह तीन महीने के भीतर नहीं हो सकता। वास्तव में, यह उससे कहीं ज़्यादा था, यह अब कई साल पहले की बात है। ओह बॉय, दूसरा, मेरा मतलब है मैथ्यू 24:14।

मुझे दूसरा दिमाग़ मिला। मुझे नहीं पता क्यों। मैथ्यू 24:14.

मैं अनुमान लगाऊंगा कि मैं इस बारे में कहां जा रहा हूँ। दिन के अंत में, मैं मैथ्यू 24 से, उसी अध्याय से, उसी प्रवचन से, तीनों प्रकार के अंश दिखाने जा रहा हूँ। यह वास्तव में मुझे दिखाता है कि हमें तीनों को एक साथ रखना है।

मत्ती 24:14. हम समय के संकेतों के बारे में बाद में बात करेंगे, लेकिन होकेमा हमें समय का सबसे उत्कृष्ट और विशिष्ट संकेत कहते हैं। मत्ती 24:14, और राज्य का यह सुसमाचार पूरी

दुनिया में सभी राष्ट्रों के लिए एक गवाही के रूप में घोषित किया जाएगा, और फिर अंत आ जाएगा।

निहितार्थ: दुनिया में सुसमाचार का प्रसार अंत से पहले होता है। ऐसा लगता है कि अंत में कुछ होना ही है। अहा, हम इसे कैसे मापें? खैर, यह एक समस्या है।

विक्लिफ़ बाइबल अनुवादकों के पास अभी भी भाषाओं की एक सूची है। क्या उन्हें जाना है, क्या इसका यही मतलब है? मुझे नहीं पता, बाइबल इसे परिभाषित नहीं करती है, लेकिन वास्तव में, यह काफी रोमांचक है, जैसा कि होकेमा कहते हैं। समय का सबसे उत्कृष्ट संकेत, मसीह के आने के समय के बीच के समय का सबसे विशिष्ट संकेत, सुसमाचार का प्रचार करने का आदेश है।

भगवान कितने मिशन पर हैं। बाइबल इसी तरह से मिशनरी है, और हम इस बात से खुश हैं। लूका 24:21 में भी इसी तरह के विचार के बारे में बताया गया है।

मुझे खेद है, मुझे थोड़ा डिस्लेक्सिया है। लूका 21:24. यीशु ने यरूशलेम के विनाश की भविष्यवाणी की है।

तुम यरूशलेम को सेनाओं से घिरा हुआ देखोगे। तब जान लेना कि उसका विनाश निकट आ गया है। जो यहूदिया में हैं, वे पहाड़ों पर भाग जाएँ, और जो नगर के भीतर हैं, वे निकल जाएँ।

जो लोग देश में बाहर हैं, वे उस में प्रवेश न करें, क्योंकि ये प्रतिशोध के दिन हैं, और उन दिनों में गर्भवती और दूध पिलाती स्त्रियों के विषय में जो कुछ लिखा है, वह सब पूरा होगा, क्योंकि पृथ्वी पर बड़ा संकट होगा और उसके लोगों पर क्रोध होगा। वे तलवार की धार से मारे जाएंगे और सब जातियों के बीच बंदी बनाए जाएंगे, और यरूशलेम अन्यजातियों द्वारा रौंदा जाएगा।

जब तक अन्यजातियों का समय पूरा नहीं हो जाता, तब तक इसे देखते रहें। ऐसा लगता है कि अन्यजातियों के वर्चस्व का समय आएगा। यरूशलेम को 70 ई. में नष्ट कर दिया गया था, और केवल इसका अंत ही दूसरे आगमन का अग्रदूत होगा।

ऐसा लगता है कि एक अंतराल निहित है। 2 थिस्सलुनीकियों 2:3 कहता है कि पहले कुछ होना चाहिए। अब दूसरे थिस्सलुनीकियों 2:1 के बारे में। अब हमारे प्रभु यीशु मसीह के आने और हमारे उसके पास इकट्ठे होने के विषय में, हम तुमसे विनती करते हैं, हे भाइयो, कि किसी आत्मा या किसी बोले गए वचन या पत्र से, जो हमारी ओर से प्रतीत होता है, यह समझकर कि प्रभु का दिन आ गया है, मन में जल्दी से विचलित या भयभीत न हो जाओ।

किसी को भी किसी भी तरह से धोखा न दें, क्योंकि वह दिन तब तक नहीं आएगा जब तक कि विद्रोह पहले न हो जाए और अधर्म का आदमी, विनाश का पुत्र, इत्यादि प्रकट न हो जाए, जिसे आमतौर पर मसीह विरोधी व्यक्ति माना जाता है। अब, कुछ लोगों ने कहा है कि हमें यीशु के प्रकट होने की प्रतीक्षा करनी चाहिए, मसीह विरोधी की नहीं। मैं सहमत हूँ। मैंने आसन्न अंशों को पहले रखा है, लेकिन ऐसा लगता है कि मसीह के दूसरे आगमन से पहले एक मसीह विरोधी व्यक्ति का प्रकट होना चाहिए।

आसन्न अंशों के साथ-साथ अभिन्न अंश भी हैं, लेकिन अंदाज़ा लगाइए क्या? ईश्वर चाहता है कि हम यीशु की वापसी, आसन्नता की प्रतीक्षा करें। कुछ चीजें पहले होनी चाहिए, और मैं अंशों की आसन्नता के प्रकाश में उन चीजों की व्याख्या करने की हमारी क्षमता के बारे में पूरी तरह आश्वस्त नहीं हूँ, लेकिन कुछ चीजें होनी ही चाहिए। इसलिए, यदि यीशु अगले तीन महीनों या तीन वर्षों या 30 वर्षों या 300 वर्षों में वापस नहीं आते हैं, तो हम अपने हाथ खड़े करके यह नहीं कहते कि बाइबल सत्य नहीं है क्योंकि ऐसा संकेत है कि ऐसा हो सकता है, मान लें कि हम अंतराल की व्याख्या करने में इतने अच्छे नहीं हैं, मान लें कि उदाहरण के लिए एंटीक्रिस्ट पहले से ही अभी तक नहीं है।

तो क्या उनमें से कोई जो पहले से ही मसीह विरोधी है, वह अभी तक मसीह विरोधी नहीं बन सकता? हाँ। क्या यह उस समय हमारे लिए स्पष्ट होने वाला है? मुझे यकीन नहीं है। किसी भी मामले में, सबसे महत्वपूर्ण अज्ञानता वाले अंश हैं।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि ये अंश हमें बताते हैं कि हम नहीं जानते। कितना दुखद है। विलियम मिलर ने 1800 के दशक के मध्य में, जिसे द ग्रेट डिस्अपॉइंटमेंट कहा जाता है, यीशु के आने की भविष्यवाणी की थी।

लोग सही सफेद वस्त्र पहनकर पहाड़ों पर चढ़ते थे, कभी-कभी अपने घर और अपनी संपत्ति बेच देते थे, और यह वास्तव में एक बड़ी निराशा थी। मिलर ने पुनर्गणना की और कहा कि यीशु अगले साल आ रहे थे, डैनियल और रहस्योद्घाटन और इसी तरह की अन्य गणितीय गणनाओं के आधार पर, और उस समय यात्रा पर जाने वाले लोगों की संख्या कम थी। फिर भी, कुछ लोग गए।

और इसे एडवेंटिस्ट शिक्षण, सात दिवसीय एडवेंटिज्म कहा जाता है। कथित पैगम्बर के कार्य और विचारों का एक और संशोधन था। यह बिल्कुल भी सांसारिक आगमन नहीं है।

यह एक स्वर्गीय आगमन है। यीशु इब्रानियों में वर्णित स्वर्गीय निवास के एक भाग से दूसरे भाग, यानी सबसे पवित्र स्थानों पर जाते हैं। खैर, यह सुविधाजनक है क्योंकि यह सत्यापित नहीं किया जा सकता।

यह झूठा नहीं है, इसलिए आप ऐसा कह सकते हैं और इसके होने पर उत्साहित हो सकते हैं क्योंकि आप यह नहीं दिखा सकते कि यह हुआ या नहीं, है न? जांच-पड़ताल के सात दिवसीय एडवेंटिस्ट शिक्षण में कहा गया है कि वह यही कर रहा है। वह हमारी जांच कर रहा है और देख रहा है कि क्या हम उस पर खरे उतरते हैं, जो मुझे एक विनाशकारी विचार लगता है और बिल्कुल भी बाइबिल से संबंधित नहीं है, निश्चित रूप से इब्रानियों की पुस्तक में नहीं पढ़ाया गया है, हे भगवान, जो मसीह के उद्धार कार्य की पूर्ण, पूर्ण अंतिमता सिखाता है। यह पिता द्वारा पूर्ण स्वीकृति है।

यीशु परमेश्वर के दाहिने हाथ पर बैठता है। इस प्रकार, यह हमें हमारे सभी पापों से पूरी तरह से बचाने के लिए पूर्ण प्रभावकारिता है। हे प्रभु, इब्रानियों 9:15, यीशु का कार्य इतना शानदार, इतना

अंतिम और इतना स्वीकार्य और प्रभावकारी है कि यह पुराने नियम के संतों के लिए उद्धार का आधार है।

हे भगवान। ओह, और यीशु ने एक शाश्वत उद्धार पूरा किया, हिब्रू कहते हैं। ओह, मैं विलाप करता हूँ।

और हेरोल्ड कैम्पिंग इसका सबसे ताजा उदाहरण है। मुझे बहुत खुशी है कि उसने पश्चाताप किया और फिर वह प्रभु के पास चला गया। पेन्साकोला, न्यू जर्सी में पले-बढ़े एक नए ईसाई के रूप में, 21 वर्षीय, मैंने पारिवारिक रेडियो सुना, और उसके अध्यक्ष, हेरोल्ड कैम्पिंग का एक शो था।

और या तो वह आदमी बाइबल को अच्छी तरह से जानता था, मुझे संदेह था कि उसके बाएं और दाएं हाथ पर वेस्टमिंस्टर सेमिनरी के छात्र थे। अगर वह नहीं जानता था, तो लड़के, वह बाइबल जानता था। खैर, मैं एक नया धर्मांतरित था।

तो शायद यह उस छोटे बच्चे की तरह है जो अब वयस्क हो चुका है और कहता है, यार, जब मैं बच्चा था, तो बर्फ बहुत ऊंची थी। हाँ, क्योंकि तुम दो फीट लंबे थे। अब तुम छह फीट लंबे हो।

ऐसा नहीं है, यह उतना ऊंचा नहीं है। और क्या यह वैसा ही था? मुझे नहीं पता। मैं जल्दी सीख जाता था, लेकिन वैसे भी, वह जानता था कि वह क्या कर रहा है, और उसने मुझे शिक्षित किया और प्रोत्साहित किया।

उदाहरण के लिए, वह पंथवादियों के साथ बहुत धैर्यवान था। लेकिन फिर भी, वह अति आत्मविश्वासी था। ओह, और उसके पास करिश्माई या पेंटेकोस्टल ईसाइयों के लिए कोई समय नहीं था।

उसने उनके साथ विधर्मियों जैसा व्यवहार किया। यह बहुत भयानक था। कुल मिलाकर, उसने मुझे शिष्य बनाने में मदद की।

मैंने बहुत कुछ सीखा। मुझे यह पसंद नहीं आया कि उसने उन लोगों के साथ कैसा व्यवहार किया जिन्हें मैं पहले से ही कुछ ईसाई मानता हूँ। लेकिन, और यह कोई भविष्यवाणी का काम नहीं था, लेकिन एक छोटा सा इंजेक्शन था, इसकी शुरुआत।

आप वास्तव में ऐसा नहीं कर सकते; मेरे पास आपके पादरी से बेहतर शब्द हैं। खैर, यह बात उनके मंत्रालय के अंत तक और भी बढ़ गई। आप जानते हैं, 40 साल बाद, वह कह रहे थे, चर्च मत जाओ, मेरी बात सुनो।

और दुर्भाग्य से, उसने मसीह के दूसरे आगमन की तिथियाँ निर्धारित कर दीं। यीशु ने कहा कि कोई भी उस घड़ी का दिन नहीं जानता। यह सही है।

लेकिन उन्होंने साल का महीना, साल का महीना नहीं बताया। ऐसा लगता है जैसे यीशु का मतलब हमारे लिए यही था, ओह माय वर्ड। मैंने एक बार पेंसिल्वेनिया में एक अच्छे पीसीए चर्च में भाषण दिया था।

और बुजुर्गों ने मुझे हवाई अड्डे पर उठाया, एक बुजुर्ग ने ऐसा किया, और मुझे गाड़ी में बिठाया। और कैम्पिंग की किताब, क्या इसे 1981 या कुछ और कहा जाता था, एक किताब। ओह, वह दूसरे आगमन की भविष्यवाणी नहीं कर रहा था।

वह उन घटनाओं की भविष्यवाणी कर रहा था जो दूसरे आगमन से ठीक पहले घटित हुई थीं। वह दूसरे आगमन की भविष्यवाणी कर रहा था। वह हमारे साथ खुलकर बात नहीं कर रहा था।

इस आदमी ने कहा, हेरोल्ड कैम्पिंग की किताब के बारे में आप क्या सोचते हैं? और कुछ बातें कहने के बाद जो मैंने आपको बताई कि कैसे उन्होंने मेरी मदद की और इसी तरह की अन्य बातें, मैंने कहा, दूसरे आगमन की कोई भी भविष्यवाणी गलत है। ओह, वह भविष्यवाणी नहीं कर रहा है, आप जानते हैं। तो यह आदमी इसमें शामिल था।

बहुत से लोग निराश हैं जब एक बार फिर उनकी भविष्यवाणियाँ गलत साबित हुईं। और फिर से, मुझे खुशी है कि कैम्पिंग को आखिरकार अपने किए पर पछतावा हुआ। यह उनके लिए अच्छी बात है।

यह वास्तव में उनके लिए अच्छा है। एक किताब और एक निश्चित टीवी शो था, टीवी स्टेशन ने 1971 में होने वाले उत्थान के 71 कारणों पर जोर दिया। मुझे तारीख याद नहीं है।

वह क्या था? *1988 में रैप्चर होने के अस्सी-आठ कारण।* और इस टीवी शो ने ये किताबें संयुक्त राज्य अमेरिका के हर पादरी को भेजीं। सुनिए, दूसरे आगमन के समय के बारे में सबसे महत्वपूर्ण सच्चाई यह है कि हम नहीं जानते।

भगवान की योजना के अनुसार, यीशु भी, जब वह धरती पर था, नहीं जानता था। अब, मुझे नहीं पता कि पिता क्यों नहीं चाहते थे कि उन्हें तब पता चले, लेकिन मैं सकारात्मक हूँ कि यीशु की प्रसन्नता की स्थिति में अब उसे पता है कि वह कब वापस आ रहा है। ओह, मेरा वचन।

मत्ती 24:36 से 51. क्या आप कहते हैं कि यह एक बड़ा अंश है? हाँ। और यीशु काफी जोरदार और दोहराव वाला है।

किसी को समय का पता नहीं। किसी को समय का पता नहीं। ओह!

लोग ऐसा क्यों करते हैं? सुनिए, बाइबल एक बड़ी किताब है। आप बाइबल के बहुत से हिस्सों के साथ काम कर सकते हैं और कुछ हास्यास्पद बातें सिखा सकते हैं। मैथ्यू 24:36 .

कोई नहीं जानता कि वह कौन सा दिन और कौन सा समय था। हमारे लिए तो यही काफी है। स्वर्ग के स्वर्गदूत भी नहीं, न ही बेटा।

मैं फिर से कहूँगा। ईश्वर के पुत्र में पृथ्वी पर अवतार के समय सभी दिव्य गुण विद्यमान थे। वह ईश्वर है।

उसने उन्हें त्यागा नहीं, लेकिन उसने उन गुणों का स्वतंत्र प्रयोग छोड़ दिया ताकि वह उनका प्रयोग केवल तभी करे जब पिता की इच्छा हो। क्या उसने कभी दैवीय गुणों का प्रयोग किया? हाँ, उसने किया। हाँ, उसने किया।

उसने एक शब्द बोला और तूफ़ान शांत हो गया। उसने अपने प्रतिद्वंद्वी के मन की बात पढ़ ली। उसने कहा, मैं हूँ और उसे गिरफ़्तार करने आए लोगों को गिरा दिया।

और इसी तरह आगे भी। उसने ईश्वरीय शक्ति का इस्तेमाल किया, लेकिन केवल पिता की इच्छा से। कभी भी सनक में आकर नहीं, शैतान के निमंत्रण पर नहीं, उदाहरण के लिए, प्रलोभन में।

उसे उसने चमत्कार नहीं बल्कि व्यवस्थाविवरण दिया। क्योंकि जैसा नूह के दिनों में हुआ था, वैसा ही मनुष्य के पुत्र का आना भी होगा। जलप्रलय से पहले के दिनों की तरह, लोग खा-पी रहे थे, शादी कर रहे थे और विवाह करवा रहे थे।

मैंने लोगों को यह कहते सुना है कि वे खा-पी रहे हैं, शादी कर रहे हैं और विवाह करवा रहे हैं। इसमें पिछले कुछ दिनों में किए गए भयंकर, भयंकर पापों के बारे में बताया गया है। नहीं, ऐसा नहीं है।

क्या आपने आज कुछ खाया या पिया है? क्या आप शादीशुदा हैं, या आप अपने बच्चे को शादी के लिए देंगे? नहीं, इसका मतलब है कि नूह के समय में जीवन सामान्य रूप से चलता था, यह वैसा ही रहने वाला है। दूसरे शब्दों में, लोग यीशु की वापसी की प्रतीक्षा नहीं करेंगे। और वे तब तक अनजान थे जब तक कि जलप्रलय आकर उन्हें बहा नहीं ले गया।

इसी तरह मनुष्य के पुत्र का आगमन भी होगा। इसलिए, जागते रहो। हम इस अध्याय के अंत में देखेंगे कि दूसरे आगमन के समय का मुख्य कार्य आसन्नता, अंतराल और विशेष रूप से अज्ञानता के अंशों के प्रकाश में है कि हम आध्यात्मिक रूप से सतर्क रहें।

यीशु के मुँह का मुख्य कार्य यही है। जागते रहो। तुम नहीं जानते कि तुम्हारा प्रभु किस दिन आएगा।

इसलिए, 44, तुम्हें मनुष्य के पुत्र के लिए तैयार रहना चाहिए, जो एक घंटे, दूसरे घंटे, दिन, महीने, वर्ष या दशक में आ रहा है। उसका मतलब एक समय पर है। वह समय के एक माप को दूसरे से अलग नहीं कर रहा है।

आप उम्मीद नहीं करते। ओह, भगवान। मैं तो आगे पढ़ना भी नहीं चाहता।

यह बार-बार दोहराया गया है। मरकुस 13:32 से 37. संदेश स्पष्ट है।

संदेश दोहराया जाता है। फिर लोग तारीखें क्यों तय करते हैं? मेरे पास इसका कोई अच्छा जवाब नहीं है, लेकिन ऐसा करना गलत है। और क्या आप उन पर विश्वास नहीं करते? यह फिर से होने वाला है।

और लोग इससे उत्साहित हो जाएंगे। वास्तव में, यह कभी-कभी एक घातक गलती साबित हुई है। मैंने कोरियाई विश्वासियों के बारे में सुना है जो प्रभु से प्रेम करते हैं, जो शर्म और सम्मान की संस्कृति में रहते हैं।

वह एक झूठे भविष्यवक्ता से प्रभावित था जो इतना आश्वस्त था कि वह ईश्वर का आदमी है और उसके मुँह से जो निकलता है वह ईश्वर का वचन है कि उन्होंने अपनी संपत्ति बेच दी। उन्होंने अपने घर बेच दिए, और वे यीशु के आने का इंतज़ार करने लगे, लेकिन वह नहीं आया। और उनमें से कुछ ने आत्महत्या कर ली।

वे बहुत शर्मिंदा थे। वे अपने पड़ोसियों का फिर से सामना नहीं कर सकते थे। यह भयानक, झूठी शिक्षा है।

और प्रभु यीशु बार-बार यह कहकर, दिखाकर इसे हमसे बचाने की कोशिश करते हैं। मरकुस 13:32. दिन या घंटे को ध्यान में रखते हुए, कोई नहीं जानता।

केवल पिता ... यहाँ पर जोर दिया गया है। सावधान रहें।

जागते रहो, क्योंकि तुम नहीं जानते कि वह समय कब आएगा। तुम नहीं जानते।

प्रेरितों के काम 1:6 और 7. क्या आप अभी राज्य लाने जा रहे हैं, यीशु? वह वही संदेश देता है जो उसने जैतून के उपदेश में दिया था। प्रभु, क्या आप इस समय इस्राएल को राज्य पुनः स्थापित करेंगे? उसने उनसे कहा, पिता ने अपने अधिकार से जो समय या कालों को निर्धारित किया है, उसे जानना तुम्हारा काम नहीं है। परन्तु जब पवित्र आत्मा आएगा, तब तुम सामर्थ्य पाओगे, और मेरे गवाह होंगे।

यह आपकी चिंता है। सुसमाचार प्रचार, चर्च की योजना बनाना, मिशन। 1 थिस्सलुनीकियों 5:2 से 4। परमेश्वर को केवल एक बार ही कुछ स्पष्ट रूप से कहना होता है, और हम उस पर विश्वास करते हैं।

यीशु ने उस युगान्तिक प्रवचन में वास्तव में इस बात पर ज़ोर दिया, और उसके प्रेरितों ने भी इस पर सहमति जताई। अब, भाइयों, समय और ऋतुओं के बारे में। हुह।

यह ठीक वैसा ही लगता है जैसा हमने अभी मार्क से पढ़ा। आपको कुछ भी लिखे जाने की आवश्यकता नहीं है क्योंकि आप स्वयं पूरी तरह से जानते हैं कि प्रभु का दिन रात में चोर की तरह आएगा। जब लोग कह रहे हैं कि शांति और सुरक्षा है, तब अचानक विनाश उन पर आ जाएगा जैसे गर्भवती महिला को प्रसव पीड़ा होती है और वे बच नहीं पाएंगे।

परन्तु हे भाइयो, तुम अन्धकार में नहीं हो, कि वह दिन तुम पर चोर के समान अचानक आ पड़े। क्योंकि तुम सब ज्योति की सन्तान हो, अर्थात् दिन की सन्तान हो। हम न रात के हैं, न अन्धकार के।

तो फिर आवेदन पर नज़र रखें। हमें दूसरों की तरह सोते नहीं रहना चाहिए, बल्कि जागते रहना चाहिए और होश में रहना चाहिए। आपको समय का पता नहीं चलता।

हाँ, यहाँ संदर्भ अविश्वासियों का न्याय किया जा रहा है, लेकिन आप अविश्वासी नहीं हैं। आप अंधकार नहीं हैं। आप प्रकाश हैं।

आप जानते हैं कि वह फिर से आ रहा है, लेकिन आप नहीं। आप तारीखें भी तय नहीं करते। वह यहाँ यह नहीं कहता, लेकिन यहाँ यह निहित है कि हम जानते हैं कि वह आ रहा है, और इसका हमारे जीने के तरीके पर प्रभाव पड़ना चाहिए।

हमें तैयार, सजग और शांत रहना चाहिए, नशे में नहीं, जैसा कि संदर्भ में कहा गया है। मैं इस मुद्दे पर जोर दे रहा हूँ। शायद आपको इस मुद्दे पर जोर देने की ज़रूरत होगी।

हो सकता है कि आपको इसकी ज़रूरत अपने लिए हो। या हो सकता है कि आपको अपने किसी दोस्त के लिए इसकी ज़रूरत हो। मैं इस मुद्दे पर जोर दे रहा हूँ।

एक बार फिर। मत्ती 25:13. मैं तुम से, उन नौ कुँवारियों से सच कहता हूँ, कि मैं तुम्हें नहीं जानता।

मुझे खेद है। पाँच मूर्ख, पाँच बुद्धिमान। दस कुँवारियों के दृष्टांत का सार यही है।

इसलिए, सावधान रहें। फिर से यही बात लागू होती है। सावधान रहें क्योंकि आपको न तो दिन पता है और न ही घंटा।

मुझे खेद है। मुझे ट्रांसमिशन में समस्या आ रही है। मुझे ट्रांसमिशन फ्लूइड और पानी की ज़रूरत है।

तो, कुल मिलाकर बात यह है कि हमें तीन गेंदों पर अच्छा खेल दिखाना होगा। श्रेष्ठता गेंद, अंतराल गेंद, और अज्ञान गेंद को ऊपर ले जाना क्योंकि यह सबसे महत्वपूर्ण है। इसे सुनिए।

वही अंश। ओह, क्या मैंने श्रेष्ठता के साथ पर्याप्त काम किया है? इब्रानियों 10, 33. हमें यीशु के वापस आने की प्रतीक्षा में जीना है।

यदि आपका युगांतशास्त्र आपको यीशु के वापस आने की प्रतीक्षा न करने के लिए प्रेरित करता है, यदि इसका आपकी शिक्षा या आपके जीवन में कोई हिस्सा नहीं है, तो आप गलत हैं। जैसा कि

मेरे प्रिय धर्मशास्त्र के प्रोफेसर रॉबर्ट जे. डनज़वीलर ने हमें सिखाया है, बाइबल की शिक्षा प्राप्त करने के लिए, आपको पूरी बाइबल का उपयोग करना चाहिए। आह, इब्रानियों 10:37।

आपको धीरज की आवश्यकता है। इब्रानियों को यहूदी ईसाइयों के लिए लिखा गया है, जिन्हें उत्पीड़न के बीच दृढ़ रहना चाहिए और सुसमाचार मसीह और चर्च से दूर नहीं होना चाहिए। आपको धीरज की आवश्यकता है ताकि जब आप परमेश्वर की इच्छा पूरी कर लें, तो आपको वह प्राप्त हो जो वादा किया गया है।

चार, अभी थोड़ी देर है और आने वाला आएगा और देर नहीं करेगा। यह एक महान मार्ग है। उसने कहा, अभी थोड़ी देर है।

कोई अंतराल नहीं है। अंतराल मार्ग हैं। फिर भी, थोड़ी देर में, हम इसे समझ सकते हैं, है न? नहीं, नहीं, अज्ञानी मार्ग हैं, और वे सबसे अधिक स्पष्ट हैं।

एक और, प्रकाशितवाक्य 22:20. बाइबल श्रेष्ठता के शब्द के साथ समाप्त होती है। इसलिए, जो इन बातों की गवाही देता है, वह कहता है, निश्चित रूप से मैं जल्द ही आ रहा हूँ।

आमीन। आओ, प्रभु यीशु। मैथ्यू 24 में आश्चर्यजनक और मददगार तरीके से श्रेष्ठता अंतराल और अज्ञानता के अंश हैं।

वही प्रवचन। इसलिए मैं जानता हूँ कि हमें जादूगर बनना है। क्या मैं सच में जादूगर बन सकता हूँ? नहीं।

यह बात अलग है। श्रेष्ठता 24:44. आपको भी तैयार रहना चाहिए क्योंकि मनुष्य का पुत्र उस घड़ी आएगा जब आप उसकी उम्मीद नहीं करेंगे।

मैं समझता हूँ कि यह एक अज्ञानतापूर्ण मार्ग है, लेकिन आपको इसके आने के लिए तैयार रहना चाहिए। यह श्रेष्ठता अंतराल है। ये चीज़ें पहले होनी चाहिए, लेकिन अंत तुरंत नहीं आएगा।

लूका 21, 9. ये बातें पहले होनी चाहिए। अंत तुरंत नहीं आएगा। तुम कहते हो, ठीक है, ये बातें, यरूशलेम का विनाश, हो चुका है।

यह सच है। लेकिन क्या सुसमाचार सभी राष्ट्रों में फैल गया है? अच्छा, हो सकता है। उन चीज़ों को मापना मुश्किल है।

अज्ञानता के मार्ग। इसलिए, जागते रहो। तुम दिन या घंटे नहीं जानते।

तीनों तरह के अंश। मैं मत्ती 24 पर जाकर इसे फिर से दोहराऊंगा। यह इतना महत्वपूर्ण है।

इससे पहले कि हम यह व्याख्यान समाप्त करें। क्रमानुसार, अंतराल 24:14। राज्य के सुसमाचार को सभी राष्ट्रों के लिए एक गवाही के रूप में पूरे विश्व में घोषित किया जाना चाहिए।

और फिर अंत आ जाएगा। इसलिए, श्रेष्ठता 42. इसलिए, जागते रहो।

क्योंकि तुम नहीं जानते कि तुम्हारा प्रभु किस दिन आएगा। तुम कहते हो, ओह, चलो, यह अज्ञानता है। यह एक अज्ञानतापूर्ण मार्ग है।

लेकिन जागते रहो एक अज्ञानी के संदर्भ में एक श्रेष्ठता वाला अंश है। मैंने शुरू से ही कहा है कि तीनों में सबसे महत्वपूर्ण अज्ञान है। इसलिए, श्रेष्ठता अज्ञान के संदर्भ में है।

इसमें कोई सवाल ही नहीं है। 36 और उसके बाद। फिर से, और फिर से और फिर से।

मैं इसे फिर से नहीं पढ़ूंगा। हमें तीनों को एक ही समय पर हवा में रखना है। हमें तीनों बातों पर विश्वास करना है।

इसलिए, मसीही जीवन का एक स्वस्थ दृष्टिकोण और मसीही सेवकाई का एक स्वस्थ दृष्टिकोण कहता है कि यीशु फिर से आ रहे हैं। हमें उनके प्रकट होने से प्रेम करना चाहिए। हमें उनके प्रकट होने के प्रकाश में जीने की आवश्यकता है।

असल में, मैं कार्य के बारे में बात करूँगा। अलग-अलग कार्य हैं। मुख्य कार्य आध्यात्मिक तत्परता है।

लेकिन नए नियम के अलग-अलग अंशों में अलग-अलग बातें हैं, जिन पर हम अपने अगले व्याख्यान में चर्चा करेंगे। लेकिन अभी के लिए, मैं तीनों को एक साथ रखने की कोशिश करूँगा। हम यीशु के आने के प्रकाश में रहते हैं।

हम उसके प्रकट होने की प्रतीक्षा करते हैं। इससे हमें खुशी मिलती है। इससे हम पवित्र होते हैं।

यह हमें सुकून देता है। यह हमें प्रोत्साहित करता है। मैं अगली बार उन अंशों के साथ काम करूँगा जो कहते हैं कि कार्यों के तहत, इस शिक्षण का कार्य।

लेकिन इस बीच, हम योजना बनाते हैं क्योंकि हमें समय का पता नहीं होता। तो, यह अज्ञानता का मामला वास्तव में दोनों को प्रभावित करता है, है न? हम नहीं जानते, इसलिए हम योजना बनाते हैं क्योंकि चीजें होनी ही हैं, और हो सकता है कि वे हमारी पूरी तरह से समझने की क्षमता के अनुसार न हुई हों। लेकिन सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि हम तिथियाँ निर्धारित नहीं करते हैं, और हम उन लोगों पर विश्वास नहीं करते हैं जो तिथियाँ निर्धारित करते हैं, और हम अपने दोस्तों को ऐसा न करने में मदद करते हैं।

दूसरा आगमन एक अद्भुत सिद्धांत है। हम अगले व्याख्यान की शुरुआत में समय निकालेंगे और इसके कार्यों के बारे में बात करेंगे। लेकिन अभी के लिए इतना ही काफी है।

हम तीनों को एक साथ पुष्ट करते हैं: आसन्नता, अंतराल, और मुख्य रूप से हमारे प्रभु के वापस आने के बारे में हमारी अज्ञानता।

यह डॉ. रॉबर्ट ए. पीटरसन और चर्च के सिद्धांतों और अंतिम बातों पर उनकी शिक्षा है। यह सत्र 14 है, मसीह का दूसरा आगमन, इसका समय, आसन्नता, अंतराल और अज्ञानता।